Regarding GST problems faced by leather/ footwear industry

प्रो. वर्षा एकनाथ गायकवाड़ (मुम्बई उत्तर-मध्य) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं इस सदन के माध्यम से फुटवियर एवं लेदर उद्योगों से जुड़े हुए लाखों व्यापारी, कारीगरों एवं श्रमिकों की बात यहां पर रखना चाहती हूं । आज उनकी आजीविका पर जीएसटी का बहुत बड़ा बोझ आ गया है । छोटे मध्यम वर्ग के व्यापारी लेदर और फुटवियर का काम करते हैं । मैं बताना चाहती हूं कि पहले कारीगर जो पांच सौ रुपये के जूते बनाता था, उस पर जीएसटी पांच टका थी, जिसे बढ़ाकर 12 टका कर दिया गया है । जो लेदर के गारमेंट्स बनाते हैं, उन पर 18 परसेंट जीएसटी लगाई गई है ।

महोदय, मेरी विनती है कि छोटे-छोटे कारीगर अपनी आजीविका के लिए ये सामान बनाने का काम करते हैं । बड़े-बड़े व्यापारियों के साथ इनका कॉम्पीटीशन भी नहीं हो सकता । यह एक पारम्परिक व्यवसाय है, जिसमें अपने तरीके से ये काम करते हैं । आपके माध्यम से माननीय वित्त मंत्री महोदया से विनती करना चाहती हूं कि जीएसटी को कम किया जाए । 500 रुपये के फुटवियर पर जिस तरह से पहले 5 टका जीएसटी था, उसे भी बंद करके उनको मुफ्त में यह कार्य करने का मौका दिया जाए । धन्यवाद ।